सेटेलाइट से कटेगा टोल

Result Mitra

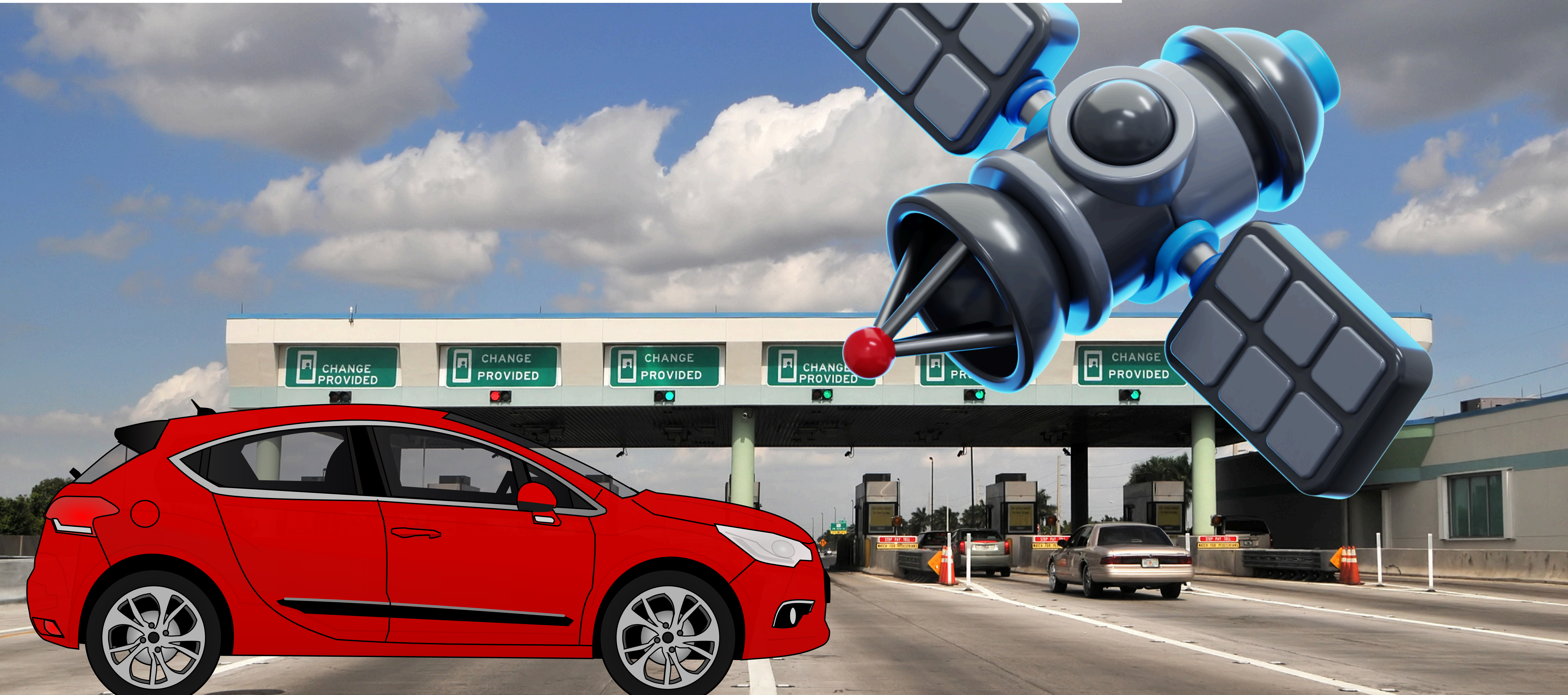

Result Mitra

- केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग ने GNSS शुरू करने का फैसला किया।

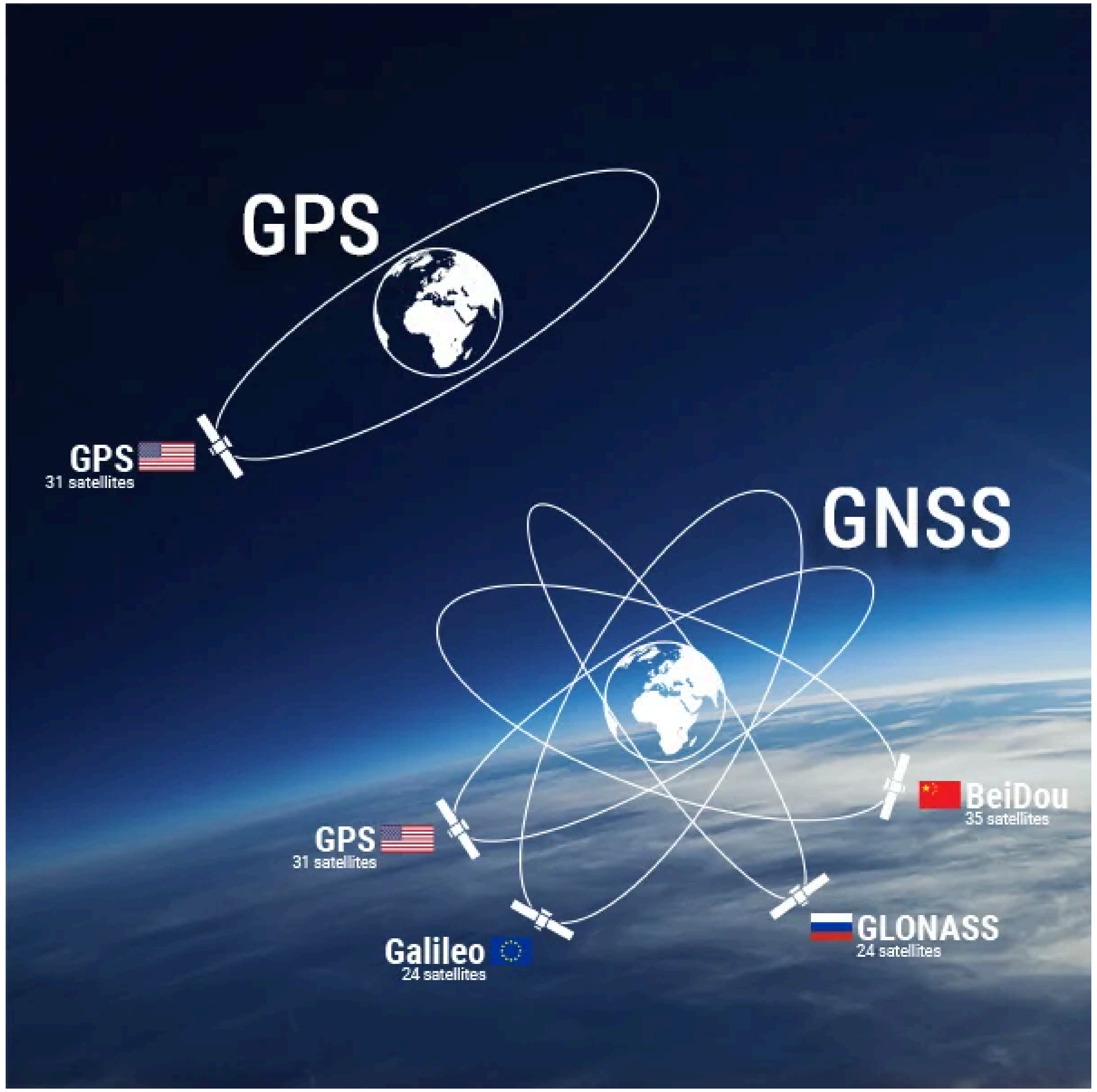

क्या है GNSS ?

- ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम
- सैटेलाइट बेस्ट यूनिट

कैसे काम करेगा

- वाहनों में ऑन-बोर्ड यूनिट (DBU) या ट्रैकिंग डिवाइस लगाई जाएगी।
- GNSS से लैस प्राइवेट कार मालिकों के लिए हर दिन नेशनल हाइवे या एक्सप्रेस वे पर 30 किमी. तक का सफर टैक्स फ्री ।

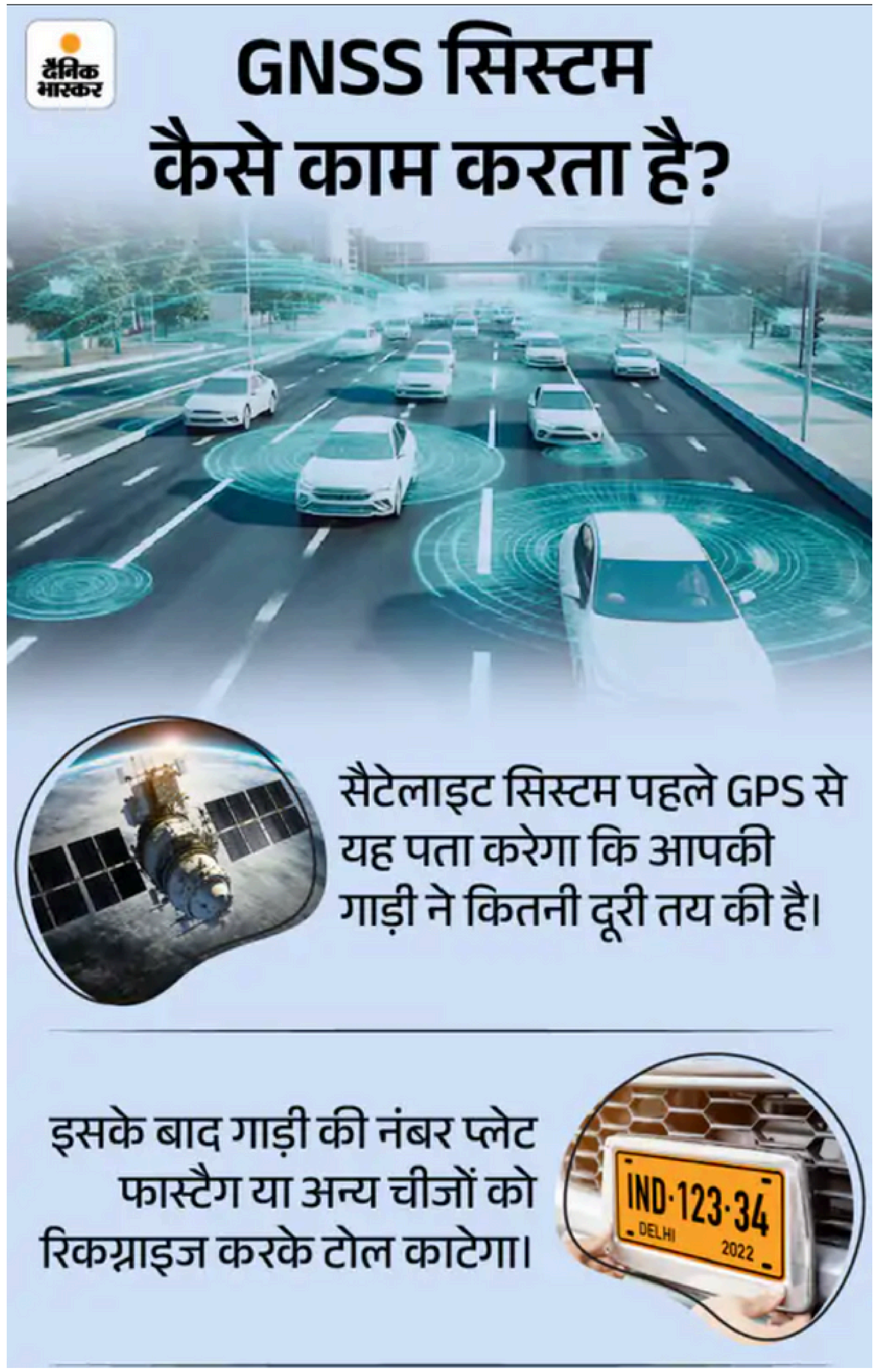

Result Mitra

GNSS से राजस्व पर पड़ने वाला असर

- वर्तमान में NHAI प्रत्येक वर्ष लगभग 40000 करोड़ रूपये का टोल रेवेन्यू कलेक्ट करता है।
- GNSS के लागू होने से आने वाले 2 से 3 वर्षों में इसकी 40000 करोड़ से 1.4 खरब तक बढ़ जाने की संभावना है।

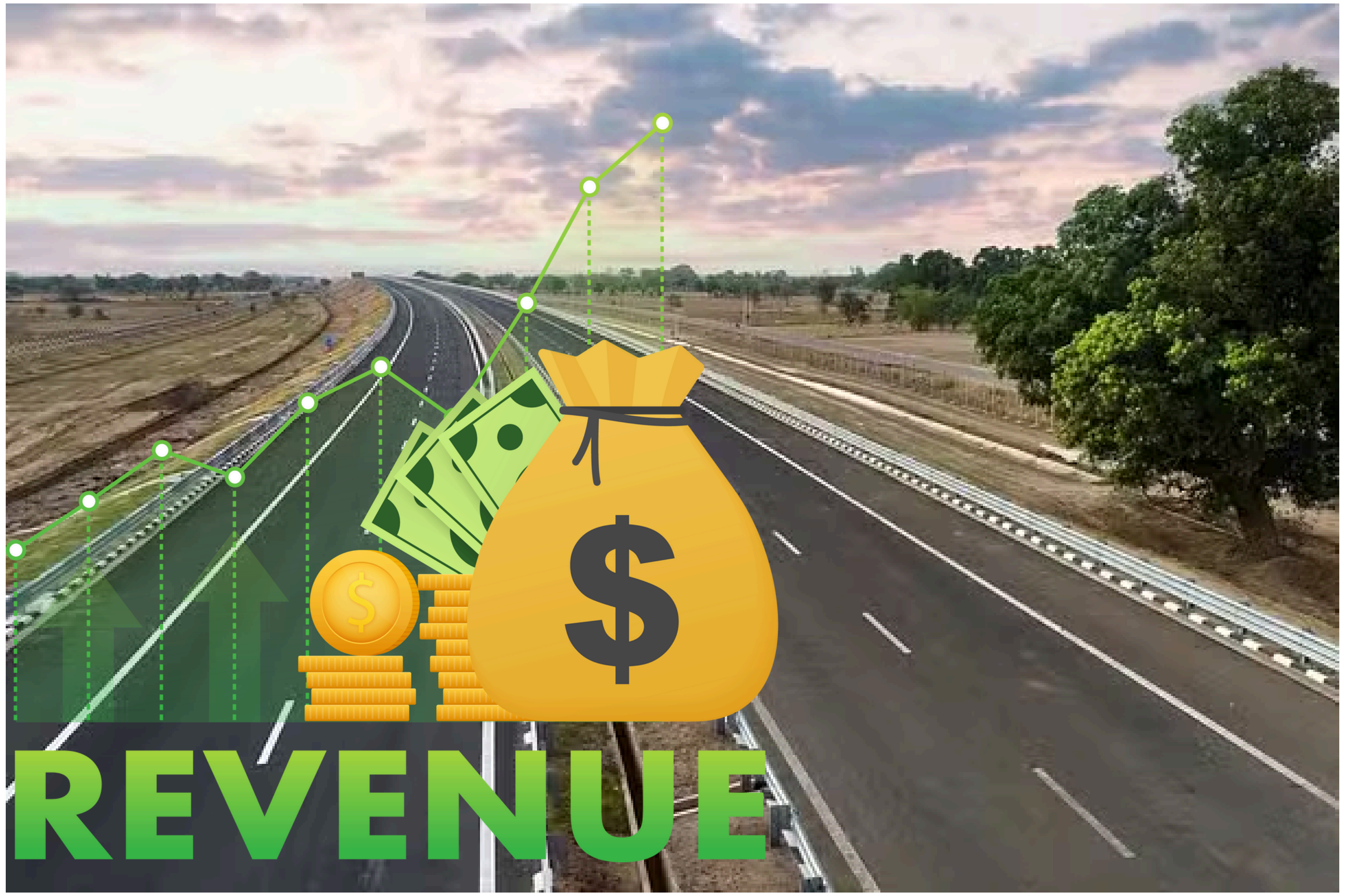

Result Mitra™

दैनिक भास्कर

GNSS सिस्टम वाहन चालकों के लिए ज्यादा सुविधाजनक क्यों है

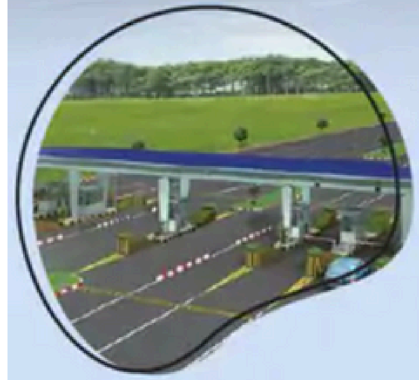

हाइवे पर टोल टैक्स ऑटोमैटिक कट जाएगा। इसके लिए उन्हें टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

वाहन चालकों को ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी मिलेगी, जिससे उन्हें नकद या कार्ड की जरूरत नहीं होगी।

टोल प्लाजा पर वाहनों की लाइन नहीं लगेगी, जिससे टाइम और फ्यूल की बचत होगी।

वाहन मालिकों को अपने वाहन की स्थिति की सटीक जानकारी मिल सकेगी।

फास्टैग की तुलना में इसकी मेंटेनेंस कॉस्ट कम होगी, जिससे सरकार का टोल रेवेन्यू बढ़ेगा।

सोर्स: टूटू धवन, ऑटो एक्सपर्ट (नई दिल्ली)

Result Mitra

- NHAI इसे हाइब्रिड मॉडल तरह
- क्या फास्टैग समाप्त हो जाएगा ?
- GNSS टोल सिस्टम से नुकसान
- वाहन टनल में होने पर सिग्नल की समस्या
- खराब मौसम में सिग्नल
- चालको की प्राइवेसी की समस्या